भारत छठवीं बार बना चैम्पियन

अंडर-19 विश्व कप 2026 में इंग्लैंड टीम को 100 रन से हराया

हरारे, 6 फरवरी। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को हरारे में खेले गए आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ भारत ने रिकॉर्ड छठी बार अंडर-19 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। टीम की इस शानदार जीत में 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की ऐतिहासिक 175 रन की पारी और कप्तान आयुष म्हात्रे के नेतृत्व ने अहम भूमिका निभाई।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में शामिल हो गया है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवर में 311 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले के हीरो रहे वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने मात्र 80 गेंदों पर 175 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में कई आकर्षक चौके और लंबे छक्के शामिल रहे। वैभव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने भी अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम

आयुष म्हात्रे की कप्तानी में टीम इंडिया की बड़ी जीत

को संभाला। उनके अलावा अभिग्यान कुंडू, वेदांत त्रिवेदी और विहान मल्होत्रा ने भी उपयोगी योगदान दिया। भारतीय बल्लेबाजों की शानदार साझेदारियों के दम पर टीम इंडिया ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में सेबेस्टियन मॉर्गन और जेम्स मिंटो ने कुछ हद तक संघर्ष किया, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के सामने उनकी एक न चली।

फाल्कनर ने बड़े शॉट लगाकर दर्शकों का दिल जीता

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत धीमी रही। भारतीय गेंदबाजों ने नई गेंद से सटीक लाइन और लेंथ बनाए रखी। आरएस अम्बरीश और हेनिल पटेल ने शुरुआती झटके देकर इंग्लैंड को दबाव में डाल दिया। हालांकि इंग्लैंड की ओर से बेन डॉकिन्स और कैलेब फाल्कनर ने संघर्षपूर्ण पारियां खेलीं। फाल्कनर ने मात्र 67 गेंदों में 115 रन बनाकर मैच को रोमांचक बनाने की कोशिश की। उन्होंने कई बड़े शॉट लगाकर दर्शकों का दिल जीत लिया, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिल सका। भारतीय गेंदबाजों ने समय-समय पर विकेट निकालकर इंग्लैंड की उम्मीदों को तोड़ दिया। दीपेश देवेंद्रन ने बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए दो महत्वपूर्ण विकेट झटके। वहीं कनीष्क चौहान और अम्बरीश ने इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। खिलान पटेल ने एक शानदार डाइविंग कैच लेकर मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया। विकेटकीपर अभिग्यान कुंडू ने भी बेहतरीन स्टंपिंग और कैच से टीम को मजबूती दी। इस जीत के साथ भारत ने अंडर-19 विश्व कप में अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी। इससे पहले भारत 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में यह खिताब जीत चुका है। 2026 की यह जीत भारत की छठी ट्रॉफी है, जो किसी भी देश द्वारा सबसे अधिक है।

आज से टी-20 विश्व कप 2026 का महाआगाज

भारत-श्रीलंका की मेजबानी में 20 टीमें खिताब दौड़ में उतरेंगी

कोलंबो/नई दिल्ली, 06 फरवरी क्रिकेट जगत की नजरें आज से शुरू हो रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 पर टिक गई हैं। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जा रहा यह टूर्नामेंट रोमांच, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक भागीदारी के लिहाज से अब तक के सबसे बड़े टी20 आयोजनों में गिना जा रहा है।

20 टीमें, 55 मुकाबले, दो मेजबान देश और दुनिया के शीर्ष क्रिकेटरों की मौजूदगी—यह विश्व कप हर दिन नए नायक गढ़ने को तैयार है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला 7 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के बीच खेला जाएगा। इसके साथ ही एक महीने तक चलने वाले क्रिकेट महाकुंभ की औपचारिक शुरुआत होगी, जिसका समापन 8 मार्च को फाइनल के साथ होगा। फाइनल का स्थल अभी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम या कोलंबो के बीच तय होना बाकी है। इस विश्व कप के मुकाबले भारत के पांच शहरों—अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम), कोलकाता (ईडन गार्डन्स), दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम), मुंबई (वानखेड़े स्टेडियम) और चेन्नई (एमए चिदंबरम स्टेडियम)—में खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम, एसएससी ग्राउंड और कैंडी के पल्लेकेले स्टेडियम में मैच आयोजित होंगे। दो देशों के ऐतिहासिक क्रिकेट केंद्र इस टूर्नामेंट को भव्यता और विरासत का अनूठा संगम दे रहे हैं। प्रारूप पिछली बार की तरह ही रखा गया है। 20 टीमों को चार समूहों में बांटा गया है।

श्रीलंका की पाक से अपील

श्रीलंका क्रिकेट के प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा ने पाक क्रिकेट बोर्ड से आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप 2026 के दौरान श्रीलंका में होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मैच के बॉयकॉट की रिपोर्ट पर फिर से सोचने की अपील की है। उन्होंने इसके गंभीर कमर्शियल और आर्थिक नतीजों की चेतावनी दी है, श्रीलंका के न्यूज़वायर ने यह रिपोर्ट दी है।

विश्व कप थीम पर बन रहीं बनारसी साड़ियां

वाराणसी. टी-20 विश्व कप के आगाज से पहले वाराणसी में विश्व कप थीम पर विशेष बनारसी साड़ियां तैयार की जा रही हैं। काशी के साड़ी व्यापारी एवं काश्याम सृजन फाउंडेशन के ट्रस्टी सर्वेश श्रीवास्तव ने भारतीय क्रिकेट टीम के उत्साहवर्धन के उद्देश्य से यह पहल की है। लोहता स्थित कारखाने में हैंडलूम कारीगर इन साड़ियों को बुन रहे हैं। साड़ी की डिजाइन रेशम रत्न सम्मान से सम्मानित डिजाइनर लक्ष्मी विश्वकर्मा ने तैयार की है। साड़ियों पर विश्व कप ट्रॉफी, बल्ला, गेंद, स्टंप और पिच सहित विभिन्न क्रिकेट प्रतीकों को जरी और ब्रोकेट कतान शैली में उकेरा गया है।

बाहर हो सकते हैं हर्षित राणा

भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 टी 20 वर्ल्ड कप से बाहर हो सकते हैं। सूर्यकुमार यादव ने वर्ल्ड कप में भारत के पहले मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'वह अभी तक बाहर नहीं हुए हैं, लेकिन संदिग्ध लग रहे हैं। बुधवार को वार्म-अप मैच (मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ) के दौरान उन्हें थोड़ी चोट लगी थी, लेकिन स्थिति बहुत उत्साहजनक नहीं है।

चोटिल हेजलवुड हुए बाहर

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में शुरु हो रहे टी-20 विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, अनुभवी तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये है। 35 साल के हेजलवुड ने 12 नवंबर को शेफील्ड शील्ड के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडमेडे ने कहा है कि हेजलवुड समय पर ठीक नहीं हो पाएंगे।

एक नजर में

फ्लू से लड़कर मंधाना ने आरसीबी को जिताया खिताब

वडोदरा. स्मृति मंधाना ने फ़्लू से लड़ते हुए ना सिर्फ़ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दूसरी बार डब्ल्यूपीएल ख़िताब जिताया, बल्कि ख़ुद सामने से नेतृत्व करते हुए इस जीत में 41 गेंदों पर 87 रन बनाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आरसीबी के प्रमुख कोच मलोलन रंगराजन ने दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ छह विकेट की जीत के बाद कहा, 'उन्हें (स्मृति को) तेज बुखार था और हालत सच में खराब थी। लेकिन फिर भी वह मैदान पर आईं और एक पल के लिए भी किसी को महसूस नहीं होने दिया कि उन्हें फ़्लू है। टीम में यह किसी को पता तक नहीं था। यही स्मृति हैं। जब आज दोपहर मैंने उनसे बात की तो उन्होंने कहा, 'नहीं, मालो, कोई प्रॉब्लम नहीं, मैं खेलूंगी।' यही उनका वर्क एथिक है।' मंधाना के ऊंचे मानकों के हिसाब से भी यह पारी बड़े दबाव में लक्ष्य का पीछा करने की एक शानदार मिसाल थी। शुरुआत में उन्होंने अपनी ऑस्ट्रेलियाई साथी जॉर्जिया वॉल को स्ट्राइक दी और फिर अपने खेल के रफ़्तार को भी बढ़ाया।

कोयल बोर ने तीसरे दिन पांच रिकॉर्ड तोड़े

मोदीनगर (उत्तर प्रदेश). नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025-26 आज यादव फार्म हाउस में जारी रही, जिसमें यूथ, जूनियर और सीनियर डिवीजन में महिलाओं की 53 किग्रा कैटेगरी में शानदार टैलेंट दिखाया गया। ज्ञानेश्वरी यादव और कोयल बोर ने पोडियम पर अपना दबदबा बनाया, कोयल बार ने यूथ सेक्शन में 3 नए नेशनल रिकॉर्ड भी तोड़े, जिसमें स्नैच में 78 किग्रा , क्लीन एंड जर्क में 99 किग्रा और ओवरऑल टोटल में 175 किग्रा का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा और जूनियर सेक्शन में 2 रिकॉर्ड बनाए, जिसमें स्नैच में 81 किग्रा और ओवरऑल टोटल में 181 किग्रा का रिकॉर्ड तोड़ा (पुराने रिकॉर्ड इंडियन स्टैंडर्ड के थे)। इस कॉम्पिटिशन में ज्ञानेश्वरी यादव ने शानदार परफॉर्मेंस दी, जिन्होंने सीनियर डिवीजन में 186 किग्रा के शानदार टोटल के साथ गोल्ड मेडल जीता। उनके ठीक पीछे पश्चिम बंगाल की कोयल थीं, जिन्होंने कई कैटेगरी में शानदार परफॉर्मेंस दी। कोयल ने सीनियर सेक्शन में सिल्वर मेडल जीता और जूनियर और यूथ दोनों सेक्शन में गोल्ड मेडल हासिल किए, जिसमें उन्होंने कुल 185 किग्रा का टोटल बनाया।

रुतुजा भोसले समेत कई हुए उलटफेर के शिकार

मुंबई. एल एंड टी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125के सीरीज के चौथे दिन गुरुवार को महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में सिंगल्स और डबल्स मुकाबलों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। फांगरान टियान ने दिन का सबसे शानदार नतीजा दर्ज किया, उन्होंने टूर्नामेंट की चौथी सीड हैने वैंडविंकेल को बाहर कर दिया। डबल्स कैटेगरी में, टॉप सीडेड जोड़ी रुतुजा भोसले और पेंगटार्न प्लिप्यूच को भी क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, लिली टैगर ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अगले राउंड में जगह बनाई। लानलाना तारारुडी और तातियाना प्रोजोरोवा ने भी सिंगल्स ड्रॉ में जीत हासिल की। दिन की शुरुआत एक बड़े उलटफेर के साथ हुई, जब चीन की फांगरान टियान ने चौथी सीड और वर्ल्ड नंबर 135 महिला सिंगल्स खिलाड़ी, हैने वैंडविंकेल को ढाई घंटे तक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। टियान, जिन्होंने पहले राउंड में अपनी पहली डब्ल्यूटीए मेन ड्रॉ जीत भी हासिल की थी, ने सेंटर कोर्ट पर पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए मुंबई ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इस बीच कोर्ट 1 पर, थाईलैंड की लानलाना तारारुडी और दक्षिण कोरिया की पार्क सो-ह्यून के बीच एक और लंबा मुकाबला हुआ। पहला सेट हारने के बावजूद, ऑस्ट्रेलियन ओपन मेन ड्रॉ में हिस्सा लेने वाली तारारुडी ने बाकी दो सेटों में अपनी प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ते हुए मैच 3-6, 6-3, 6-0 से जीत लिया, यह मुकाबला दो घंटे से थोड़ा ज़्यादा समय तक चला। सातवीं सीड और वर्ल्ड नंबर 128 महिला सिंगल्स खिलाड़ी, लिली टैगर ने जापान की एरी शिमिजु के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से जीत हासिल की। 17 साल की इस होनहार खिलाड़ी ने अपनी पावरफुल सर्व और एक-हाथ वाले बैकहैंड एक्शन का ज़बरदस्त इस्तेमाल किया और गेम को छह ऐस के साथ खत्म किया, जिससे शिमिजू को कभी सेटल होने का मौका नहीं मिला।

नीलम सिरोही ने जीता रजत पदक

जागरेब (क्रोएशिया), 06 फरवरी भारतीय पहलवान नीलम सिरोही ने जागरेब ओपन 2026 कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक जीता।

50 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग कुश्ती टूर्नामेंट

गुरुवार को हुए अन्य मुकाबलों में विकी हुड्डा (पुरुष 97 किग्रा), दिनेश धनखड़ (पुरुष 125 किग्रा) और मुस्कान (महिला 50 किग्रा) के कांस्य पदकों के साथ इस साल की पहली विश्व कुश्ती महासंघ (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) रैंकिंग सीरीज में भारत के पदकों की संख्या सात हो गई है। भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीते है। नीलम सिरोही ने फाइनल तक पहुंचने के रास्ते में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय पहलवान ने पोलैंड की अगाता वालेरजाक को 10-0 से हराकर शुरुआत की, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में अजरबैजान की एलनूरा मम्मादोवा को 12-2 से हराया। सेमीफाइनल में हमवतन मुस्कान पर 7-4 की जीत ने उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचाया, जहां वह अंडर-23 विश्व चैंपियन जापान की हारुना मोरिकावा से 5-2 से हार गईं।

> पुरुषों के 97 किग्रा वर्ग में, विकी हुड्डा ने अमेरिका के स्टीफन बुकानन II से क्वार्टर फाइनल में हार के बाद वापसी की। अमेरिकी पहलवान ने उन्हें 14-7 से हराया। भारतीय पहलवान रेपचेज में पहुंच गए, जहां विकी ने कनाडा के सैमुअल मिकलोस मारिया परेरा को 12-1 से शिकस्त दी। भारतीय पहलवान ने उसी लय को कांस्य पदक मुकाबले में भी जारी रखा, फ्रांस के एडलान विश्खानोव को 8-2 से हराकर पोडियम पर जगह बनाई। दीपक चहल ने भी इसी वेट कैटेगरी में हिस्सा लिया था लेकिन क्वालिफिकेशन राउंड में ही बाहर हो गए।

अक्शू बाजवा के पंजे से चंडीगढ़ ढेर

कानपुर 06 फरवरी अक्शू बाजवा (56 रन पर छह विकेट) और विजय कुमार (51 रन पर तीन विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत उत्तर प्रदेश ने यहां चार दिवसीय सीके नायडू अंडर 23 ट्राफी के एक मुकाबले के पहले दिन शुक्रवार को चंडीगढ़ की पहली पारी को 170 रन पर समेट दिया। जवाब में मेजबान टीम ने अपने तीन विकेट 46 रनो पर गंवा दिये थे। ग्रीनपार्क मैदान पर दिन का खेल खत्म होने के समय काव्य तेवतिया (9) और शुभम मिश्रा पांच रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे।

सेमीफाइनल में नीतू और प्रीति

ला नुसिया, 06 फरवरी. प्रतिष्ठित बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में भारतीय मुक्केबाजी दल ने 19 मेडल पक्के कर लिए हैं, तीसरे दिन भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नीतू (51किग्रा) और प्रीति

भारत ने 19 मेडल पक्के किए

(54किग्रा) सेमीफाइनल में पहुंच गईं, जबकि जदुमणि सिंह (55किग्रा) ने पुरुषों के ड्रॉ में एक और शानदार प्रदर्शन किया।

नए हेड कोच सैंटियागो नीवा के मार्गदर्शन में भारतीय महिला टीम ने 12 मेडल पक्के कर लिए हैं, जबकि भारतीय पुरुष टीम ने सेमीफाइनल से पहले 7 मेडल पक्के कर लिए हैं। नीतू शानदार फॉर्म में थीं, उन्होंने कनाडा की मैकेंज़ी राइट को 5:0 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। प्रीति ने भी स्पेन की मारिया गोंजालेज के खिलाफ

शानदार प्रदर्शन किया, लगातार दबाव बनाकर तीसरे राउंड में ही मुकाबला खत्म कर दिया। पूनम (54) ने थाईलैंड की नटनिचा चोंगप्रोंगक्लांग पर 5:0 से एक और शानदार जीत हासिल की, जबकि प्रिया (60) और प्रांजल (65) ने क्रमशः स्पेन की लौरा गैलानो और चेक बॉक्सर विक्टोरिया जिलकोवा के खिलाफ सर्वसम्मत जीत दर्ज की।

कोपा डेल रे फुटबॉल 2025-26

बेटिस-एटलेटिको में होगी टक्कर

सेविला, 06 फरवरी स्पेन के प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट कोपा डेल रे 2025-26 के क्वार्टर-फाइनल में गुरुवार, 5 फरवरी 2026 को फुटबॉल प्रेमियों को एक जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलेगा। इस मैच में रियल बेटिस और एटलेटिको मैड्रिड आमने-सामने होंगे।

सेविला में होगा हाई-वोल्टेज मुकाबला
जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में जाएगी

यह भिड़ंत सेविला के मशहूर बेनीतो विल्लामारिन स्टेडियम में खेली जाएगी, जहां किक-ऑफ 20:00 तरूझ (स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे) पर होगा। इस मुकाबले की अहमियत इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि यह एकल नॉकआउट मैच है और जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश करेगी, जबकि हारने वाली टीम का सफर यहीं समाप्त हो जाएगा।अब तक कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में बार्सिलोना, रियल सोसिएदाद और एथलेटिक बिलबाओ अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। ऐसे में यह मुकाबला आखिरी सेमीफाइनल टिकट के लिए निर्णायक साबित होगा। बेटिस के कोच की रणनीति होगी कि वे मैच की शुरुआत से ही दबाव बनाएं और एटलेटिको मैड्रिड की मजबूत डिफेंस को जल्दी परखें। घरेलू दर्शकों का समर्थन खिलाड़ियों को अतिरिक्त ऊर्जा देता है.

> दोनों ही टीमें इस टूर्नामेंट को बेहद गंभीरता से ले रही हैं, क्योंकि कोपा डेल रे न केवल एक प्रतिष्ठित घरेलू खिताब है, बल्कि यह यूरोपीय प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता भी खोलता है। रियल बेटिस इस मैच में घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। अपने समर्थकों के सामने खेलते हुए बेटिस का आत्मविश्वास हमेशा ऊंचा रहता है। टीम आमतौर पर आक्रामक फुटबॉल खेलती है, जिसमें गेंद पर नियंत्रण, तेज पासिंग और विंग्स के जरिए हमले शामिल होते हैं।

डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप

पहले दिन नागल बनाम गाइ डेन ओडेन सिंगल्स, रिवर्स सिंगल्स में फिर कोर्ट पर लौटेंगे नागल

सुमित नागल से उम्मीदें, डच चुनौती सामने

बेंगलुरु, 06 फरवरी बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में शुक्रवार को हुए ड्रॉ ने भारत और नीदरलैंड्स के बीच होने वाले डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप I फर्स्ट राउंड मुकाबले की तस्वीर साफ कर दी।

ड्रॉ के मुताबिक, भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल इस टाई के केंद्र में रहेंगे और दोनों दिन भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। घरेलू परिस्थितियों में खेले जा रहे इस अहम मुकाबले में भारतीय टीम का फोकस शुरुआत से बढ़त बनाने पर है, ताकि दबाव डच टीम पर डाला जा सके।

शनिवार को पहले दिन का आगाज सुमित नागल और नीदरलैंड्स के गाइ डेन ओडेन के बीच सिंगल्स मुकाबले से होगा। यह मैच पूरे टाई का टोन सेट कर सकता है। नागल इस समय भारतीय टेनिस का सबसे भरोसेमंद चेहरा माने जाते हैं, जिन्होंने हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर अपनी निरंतरता और फिटनेस से प्रभावित किया है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने उन्हें पहले मैच में उतारकर स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाना चाहता है।

पहले सिंगल्स के बाद दूसरा मुकाबला भारत के दक्षिणेश्वर सुरेश और डच टीम के नंबर दो खिलाड़ी जेस्पर जान रेंस डी जोंग के बीच खेला जाएगा। यह मैच संतुलन बनाने वाला साबित हो सकता है, क्योंकि दोनों खिलाड़ी अपेक्षाकृत युवा हैं और अपनी ऊर्जा व गति से मैच की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। दक्षिणेश्वर के लिए यह बड़ा मंच है, जहां वह खुद को स्थापित कर सकते हैं और टीम के लिए महत्वपूर्ण अंक जुटा सकते हैं। रविवार को दूसरे दिन की शुरुआत डबल्स मुकाबले से होगी, जिसमें भारत ने अनुभवी युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी पर भरोसा जताया है। डेविस कप जैसे टीम इवेंट में डबल्स अक्सर निर्णायक साबित होता है और भारत की यह जोड़ी अनुभव, तालमेल और नेट प्ले के लिए जानी जाती है। उनका सामना नीदरलैंड्स की सैंडर एरेंड्स और डेविड पेल की जोड़ी से होगा, जो यूरोपीय सर्किट पर नियमित रूप से साथ खेलते रहे हैं। यह मुकाबला रणनीति, सर्विस गेम और नेट पर नियंत्रण की परीक्षा होगा। डबल्स के बाद रिवर्स सिंगल्स खेले जाएंगे, जिसमें सुमित नागल एक बार फिर कोर्ट पर लौटेंगे और जोंग के खिलाफ उतरेंगे। इस तरह नागल पर दो सिंगल्स मैचों की जिम्मेदारी होगी, जो उनकी फिटनेस और मानसिक मजबूती की परीक्षा भी है। वहीं, दक्षिणेश्वर से बाकी सिंगल्स मैच खेलने की उम्मीद है, जो इस बात का संकेत है कि टीम संयोजन लचीला रखा गया है।

> टूर्नामेंट अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि सिंगल्स और डबल्स के लिए घोषित नामांकन फिलहाल प्रोविजनल हैं। डेविस कप के नियमों के अनुसार टीमें अपने-अपने मुकाबले शुरू होने से पहले अंतिम क्षणों में बदलाव कर सकती हैं। इसका मतलब यह है कि रणनीतिक रूप से टीम प्रबंधन परिस्थितियों, खिलाड़ियों की फिटनेस और कोर्ट की स्थिति को देखते हुए फैसले ले सकता है। घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाना भारतीय टीम की प्राथमिकता होगी। बेंगलुरु की जलवायु, कोर्ट की गति और दर्शकों का समर्थन भारतीय खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। डेविस कप में अक्सर देखा गया है कि घरेलू दर्शकों का उत्साह खिलाड़ियों को अतिरिक्त ऊर्जा देता है, और यही कारक कई बार करीबी मुकाबलों में फर्क पैदा करता है।